भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1629
03/08/2023 **को उत्तर दिए जाने के लिए**

समुद्रयान परियोजना की संधारणीयता और पर्यावरण–अनुकूलता

1629 **डा. अमी याज्ञिक :**
श्रीमती रंजीत रंजनः

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार किस प्रकार यह सुनिश्चित करेगी कि समुद्रयान परियोजना पानी के नीचे के संवेदनशील पारितंत्र के लिए आक्रामक और विनाशकारी नहीं है;

(ख) क्या सरकार के पास समुद्रयान परियोजना के निष्कर्षों के माध्यम से राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में "नीली अर्थव्यवस्था" के योगदान को बढ़ाने की दीर्घकालिक योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नही, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार का समुद्रयान कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय और कुशल रोजगार में वृद्धि करने का विचार है ताकि कुशल अनुसंधान को संतुलित करते हुए स्थानीय आजीविका में वृद्धि की जा सके, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रिजिजू)

(क) समुद्रयान परियोजना का उद्देश्य गहरे समुद्र के संसाधनों का अध्ययन करने और जैव विविधता का आंकलन करने के लिए तीन कर्मियों को एक पनडुब्बी में 6000 मीटर की गहराई तक भेजना है। चूंकि पनडुब्बी का उपयोग संसाधनों की खोज के लिए किया जाता है इसलिए परियोजना से पारिस्थितिकी तंत्र को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा।

(ख) और (ग) डीप ओशन मिशन, सरकार की समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था नीति का समर्थन करता है जिसमें देश की सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने की क्षमता है और जिसमें देश के आर्थिक विकास, बेहतर आजीविका और नौकरियों एवं महासागर पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के लिए समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग की परिकल्पना की गई है।

*****